Addressing Public Meeting at Unchahar

(Raebareli) Uttar Pradesh, 26.06.2016

बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय विध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी जी, हम सबके वरिष्ठ नेता रामशंकर वर्मा जी, हमारे विभाग प्रचारक राजकिशोर जी, दिलीप यादव जी, भारतीय जनता पार्टी रायबरेली के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय अग्रवाल जी जिन्होंने रायबरेली में पूरी लड़ाई लड़ी कांग्रेस और एक परिवार के खिलाफ 2014 के चुनाव में और भारतीय जनता पार्टी को एक प्रकार से पुन:स्थापित किया, यहाँ पे उपस्थित लोकतंत्र के सेनानी जिन्होंने इमरजेंसी के दिनों में कई अधिकांश तो जो लोग आए थे उनसे पता चला कि पुतला कांड में उनकी गिरफ्तारी हुई 19 November, 1975 में रायबरेली के घंटाघर चौक में, अन्य भी कई स्वतंत्रता सेनानी रायबरेली से गिरफ्तार हुए मुझे बताया गया अभी भी 120 लोग जीवित हैं जिन्होंने इमरजेंसी के दौरान या तो गिरफ्तारी दी या वैसे गिरफ्तार हुए थे | मैं सभी लोकतंत्र के सेनानियों को नमन करता हूँ, उन सभी को बधाई देता हूँ, उन सभी को शुभेक्षा देता हूँ, भगवान से प्रार्थना करता हूँ उनकी लम्बी आयु के लिए और वो इसी प्रकार से जनता की, समाज की सेवा करते रहें इस आशा के साथ मैं समझता हूँ हम सबको एक बार जोरदार तालियों से हम उन सबका स्वागत करें |

वास्तव में, मुझे उन्चाहार में NTPC के plant का inspection के लिए आना था, जब मेरा कार्यक्रम बना कि NTPC में मैं आके यहाँ पे निगरानी करूँ, यहाँ पे देखूं कैसा काम चल रहा है तो उसी समय मुझे पार्टी के कुछ लोगों ने कहा कि अगर आप यहाँ पे आ रहे हैं और सौभाग्य से या coincidence से ये 26 June का ही दिन पड़ता है तो आप क्यूँ न हमारे सभी स्वतंत्रता सेनानियों को भी इसी दिन यहाँ पे सम्मानित करें | उनके बलिदान का अहसास हम सभी को है, हम सभी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक, भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता और मैं समझता हूँ पूरा समाज और पूरा देश इन स्वतंत्रता सेनानियों का ऋणी रहेगा जिन्होंने अपने खुद के सुख-दुःख को न देखते हुए, अपने परिवार के सुख-दुःख को न देखते हुए जो लोकतंत्र पे प्रहार हुआ था आपातकाल के दौरान, उस प्रहार के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी पूरे देश में हजारों लाखों लोग जिन्होंने गिरफ्तारी दी, जिन्होंने अन्य-अन्य तरीके से आपातकाल की लड़ाई लड़ी, उसके विरोध में लड़ाई लड़ी; मैं समझता हूँ उन सबका स्मरण करने का ये एक अवसर है ये एक दिन है, और मैंने तुरंत स्वीकार किया कि inspection का काम मैं बाद में करूँगा लेकिन पहले मैं स्वतंत्रता सेनानियों का सत्कार करूँगा, उनका सम्मान करूँगा, उनसे भेंट करुँगा | और एक प्रकार से ये वैसा दिन है जब हम सबको; अपने आपको पुनः एक बार समर्पित करने की आवश्यकता है कि कभी भी इस देश में इस प्रकार का अगर गलत काम होता है, इस प्रकार का देश के लोकतंत्र पे प्रहार होता है तो हम सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हों, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक हों और वास्तव में तो इस देश का एक-एक नागरिक इस प्रकार के लोकतंत्र के ऊपर प्रहार को कभी भी सहेगा नहीं, चाहे जो बलिदान देना पड़े, जो उसके खिलाफ लड़ाई लड़नी पड़े, मुझे पूरा विश्वास है हम सब उसके लिए लड़ेंगे लेकिन भारत की अखंडता, भारत की एकता, भारत में जो लोकतंत्र स्थापित हुआ उसको कभी भी चोट नहीं पहुँचने देंगे, उसको कभी भी नुक्सान नहीं होने देंगे |

अगर आपको स्मरण हो तो 1947 में जवाहर लाल नेहरु, जिन्होंने इमरजेंसी लगाई उनके पिता थे, उन्होंने 1947 में 15 अगस्त के दिन जब भारत को आज़ादी मिली उस दिन एक बड़ा फेमस वाकिया का इस्तेमाल किया था - "At the stroke of the midnight hour when the world sleeps India will awake to life and freedom" जब रात के 12 बजेंगे 15 August के दिन, जब पूरा विश्व सो रहा होगा तब भारत एक नई ज़िन्दगी, एक नई आज़ादी ले के उभरेगा और ये जो जीवन मिला था भारत को और ये जो आज़ादी मिली थी भारत को उसको हमने 15 August

से आज़ादी का त्योहार मनाया और आज तक हम सब भाई बहन मिलके 15 August को आज़ादी का पर्व मनाते हैं | 15 August के दिन कि मात्र 28 वर्ष बाद जब 1975 में 26 June और वास्तव में देखें तो 25 और 26 June के रात के 12 बजे ही उस समय के प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी जी ने जिस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या की, जिस प्रकार से उन्होंने कानून की हत्या की, आपातकाल घोषित करके, इमरजेंसी डिक्लेअर करके, जब कानून व्यवस्था के तहत उनके चुनाव को अवैध ठहराया गया था, 1971 में गरीबी हटाओ के नारे पे वो चुनके आईं थी, गरीबी हटाने का तो कोई काम किया नहीं लेकिन जब सिद्ध हो गया कि उन्होंने अवैध सरकारी तंत्रों का इस्तेमाल करके चुनाव में विजय पाई थी और जब न्यायलय ने उनके चुनाव को रद्द किया, चुनाव को अवैध घोषित किया और उनको प्रधानमंत्री का पद छोड़ने की आवश्यकता पड़ी तब उन्होंने न्यायलय के सम्मान को, न्यायलय की इज्ज़त को, उसकी गरिमा को ठुकराते हुए आपातकाल घोषित कर दिया, हजारों लाखों विपक्षी दलों के लोगों को, अन्य संस्थाओं के कार्यकर्ताओं को जेलों में डाला गया, कश्मीर से कन्याकुमारी तक कोई ऐसा प्रदेश नहीं था, कोई ऐसा इलाका नहीं था जहाँ पे आपातकाल के दौरान खासतौर पे भारतीय जनता पार्टी, उस समय भारतीय जनसंघ थी और हमारा वैचारिक परिवार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और उसके सभी स्वयं सेवक अलग-अलग संस्थाओं में चाहे वो विश्व हिन्दू परिषद में काम करते हों, चाहे विद्यार्थी परिषद में काम करते हों अलग-अलग संगठनों के कार्यकर्ता, स्वयं सेवक बंधुओं को, सभी को जिस प्रकार से जेलों में डाला गया, जिस प्रकार से उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ वास्तव में वो उनका बलिदान था जो उनका संघर्ष था उसी के कारण 18 महीने के बाद आपातकाल को हटाना पड़ा फिर चुनाव हुआ और उस चुनाव में जनता ने मुंहतोड़ जवाब दे के उस परिवार को और कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था |

मैं समझता हूँ ये इन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के फलस्वरूप आज हम इस आज़ादी से जी रहे हैं, आज ये देश स्वतंत्र है, आज इस देश में हम सबको स्वतंत्रता है, हम जो कहना चाहें, हम जो बोलना चाहें, हम जो राजनीति हमारे हिसाब से चलाना चाहें उस सबकी स्वतंत्रता के पीछे इन सभी सैकड़ों, हजारों और लाखों सेनानियों का बलिदान है और आज का दिन हमें कभी भूलना नहीं चाहिए ये हम सब को एक अवसर मिलता है फिर एक बार स्मरण करने का इन सभी सेनानियों का बलिदान को और अपने आपको rededicate करने का, अपने आपको समर्पित करने का कि आगे कभी इस प्रकार का प्रहार हम लोकतंत्र पे होने नहीं देंगे, लोकतंत्र पे इस प्रकार के प्रहार के खिलाफ हम सब एकजुट हो कर लड़ेंगे |

वास्तव में रायबरेली तो बहुत विशेष स्थान रखता है, ये रायबरेली की पावन धरती थी जहाँ से ये लड़ाई शुरू हुई थी, उस समय राज नारायण जी ने न्यायलय में याचिका दर्ज की थी जो स्वीकार हुई थी जिसमें इंदिरा गाँधी जी को पद छोड़ने का आदेश दिया गया और यही रायबरेली थी जिसने फिर 1977 में इंदिरा जी को हरा के सबक सिखाया था कि अगर आप लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करेंगी तो ये रायबरेली की जनता कभी माफ़ नहीं करेगी | गत तीन चुनावों से, फिर उस परिवार की एक महिला ने रायबरेली का प्रतिनिधित्व किया है लोकसभा में, मैं हवाई अड्डे से यहाँ जब आ रहा था तो देख रहा था क्या स्थिति है रायबरेली में और मैं सोच रहा था जिस इलाके ने, जिस संसदीय क्षेत्र ने प्रधानमंत्री भी दिए, उस इलाके की अगर हालत ये है तो भाइयो और बहनों आप अनुमान लगा सकते हैं कि जो देश की आज हालत हमें विरासत में 2014 में मिली वो क्या होगी, पूरे देश में न विकास हुआ, न गरीबी को मिटाया गया, न किसी प्रकार की सुविधाएं गरीबों को ग्रामीण इलाकों में रहने वाले शोषित पीड़ित, हमारे भाइयों-बहनों को, किसानों को मिली और एक प्रकार से सालों से गरीबी चलती रही, सालों से लोग पीड़ित रहे पर उम्मीद में रहे कि कभी न कभी उनकी सरकार कुछ न कुछ सुविधाएं, कुछ न कुछ अच्छा काम जनता के लिए, देश के लिए करेगी |

मैं समझता हूँ एक प्रकार से 2014 एक ऐसा चुनाव था जिस चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता ने ख़ासतौर पे और पूरी देश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को समर्थन दिया, उत्तर प्रदेश में 80 में से 73 सीटें भारतीय जनता पार्टी और हमारी सहयोगी दलों को मिली | प्रधानमंत्री स्वयं अब उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं, वाराणसी से सांसद हैं और आज आपके प्रधानमंत्री हैं, आपके आशीर्वाद से, आपके समर्थन से, आपके सहयोग से आज भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला इस देश में शासन करने का और मैं समझता हूँ ये एक अवसर मिला जब वास्तव में विकास की धारा उत्तर प्रदेश और अन्य राज्य जो बरसो से विकास कार्यो से वंचित रहे है, उन राज्यों पर विशेष ध्यान देने का हमें अवसर मिला है |

अगर आप विद्युतीकरण को देख लें अभी-अभी मेरे भाई अजय जी बता रहे थे कि विद्युतीकरण का काम जिसके लिए केंद्र सरकार ने पैसा भी दिया रायबरेली के लिए वो कई वर्षों से पूरा नहीं हुआ | उस काम को पूरा करने का बीड़ा प्रधानमंत्री मोदी जी और आपकी केंद्र सरकार ने लिया है | हमने 2022 तक इस देश में एक भी घर ऐसा नहीं रहे और एक भी किसान ऐसा नहीं रहे जिसको बिजली की सुविधा उपलब्ध न हो ये वादा देश के सामने किया था | मुझे आप सबको बताते हुए ख़ुशी होती है कि हम केंद्र सरकार से पूरा जोर लगा रहे हैं पूरी सहायता दे रहे हैं राज्य सरकारों को कि ये काम 2022 के बदले 2019 तक ख़तम हो जाए | उत्तर प्रदेश और रायबरेली का एक भी घर ऐसा नहीं रहे जिसको बिजली और विद्युत से जोड़ा न जाए, कोई भी किसान ऐसा न रहे जिसको बिजली और ऊर्जा न मिले | मैंने उत्तर प्रदेश की जब समीक्षा की तो मुझे ध्यान में आया कि यहाँ की राज्य सरकार को जिस तेज़ी से काम होना चाहिए उस तेज़ी से काम कर नहीं रही थी तो 2014 से लगातार हम सरकार के पीछे रहे, सरकार के पीछे जोर दिया सरकार के एक-एक काम की निगरानी करके अब उस काम को थोड़ी गति आई है उस काम मैं हम दिन और रात रिपोर्ट लेते हैं | मैं अभी-अभी बैठा हुआ अपने मोबाइल पे रिपोर्ट ही देख रहा था, लेटेस्ट रिपोर्ट उत्तर प्रदेश की क्या है, उत्तर प्रदेश में हमने एक नया प्रयोग शुरू किया है खासतौर पे क्यूंकि राज्य सरकार का भी पूरा सहयोग नहीं मिलता है, खासतौर पे क्यूंकि उत्तर प्रदेश की स्थिति भी बड़ी गंभीर है लगभग दो करोड़ परिवार ऐसे पाए गए जिनको आज भी बिजली नहीं मिलती है, दो करोड़ परिवार ! ये साधारण आंकड़ा नहीं है, पूरे ग्रामीण इलाकों में मात्र 30-33% घरों में बिजली की सुविधा मिलती है | जब ये स्थिति मेरे सामने आई तो मैंने हर जिले के लिए एक-एक विशेष ग्रामीण विद्युतीकरण अभियंता की नियुक्ति की, उसका काम ये था कि क्या काम हो रहा है राज्य सरकार द्वारा जो-जो केंद्र सरकार ने जो-जो लक्ष्य रखे हैं उत्तर प्रदेश के वो पूरे हो रहे हैं कि नही, गुणवत्ता ठीक है कि नहीं काम की, गरीबों के घर में बिजली पहुँच रही है कि नहीं, किसानों की क्या स्थिति है इन सब चीजों का निरक्षण करने के लिए उस पे बल देने के लिए उस काम के ऊपर निगरानी रखने के लिए हमने हर जिले में एक-एक ग्रामीण विद्युतीकरण अभियंता की नियुक्ति की | मुझे बडा खेद है आपको बताते हुए कि जो रायबरेली और अमेठी में जो ग्रामीण विद्युतीकरण अभियंता को नियुक्त किया गया वो अभी तक अपने सांसद तक को नहीं मिल पाए | मैं तो हैरान हूँ कि यहाँ की जनता अपने सांसद को कैसे मिलती होगी, अपने सांसद से कैसे विचार-विमर्श करती होगी, अपने दुःख-सुख की बातें सांसद तक कैसे पहुंचाती होगी | भारतीय जनता पार्टी का एक-एक सांसद इन ग्रामीण विद्युतीकरण अभियंता को मिला, उनसे बातचीत की, क्या काम हो रहा है उसकी जानकारियां दी, कहाँ काम गलत हो रहा है उसकी जानकारियां दी जिससे वो सीधा केंद्र सरकार को बता सकें और हम उस पे और बल दे सकें और जोर लगा सकें जिससे काम अच्छी तरीके से, सुचारू रूप से किया जा सके | लेकिन जो ग्रामीण विद्युतीकरण अभियंता रायबरेली और अमेठी में लगाया गया उनकी रिपोर्ट आ रही है कि हम तो भाई अभी तक सांसद महोदय, सांसद मैडम को मिल ही नहीं पाए हैं | अब मुझे समझ नहीं आ रहा है कि अब मैं उन लड़कों

को क्या बताऊँ, उत्साहित इंजिनियर हैं, नौजवान इंजिनियर लगाएं हैं हमने, जिससे वो काम की निगरानी करें, अच्छी तरीके से देखें | आखिर लोक प्रतिनिधि का काम ही ये होता है कि वो सेतु बने जनता और अधिकारियों के बीच, जहाँ-जहाँ काम ठीक नहीं हो रहा है उस काम को ठीक से कराएं | तो अब तो मुझे लगता है कि मुझे उन ग्रामीण विद्युतीकरण अभियंता को या तो वापिस बुला लेना पड़ेगा और या अधिकारियों के ऊपर ज़िम्मेदारी छोडनी पड़ेगी कि भाई यहाँ की जनता न वंचित रह जाए बिजली से और ऊर्जा से सिर्फ इसलिए कि यहाँ के लोक प्रतिनिधि को समय नहीं है यहाँ पे आने के लिए या समय नहीं है यहाँ की चिंता करने के लिए |

मैंने यहाँ पे एक District Electricity Committee का भी गठन किया था, उस District Electricity Committee की अध्यक्षता माननीय सांसद की रखी गई है, मुझे पता नहीं यहाँ पे District Electricity Committee की एक भी बैठक हुई है कि नहीं हुई है, क्या आप लोगों के पास कभी जानकारी आई है कोई मीटिंग की जिसमें देखा गया हो कि यहाँ पे बिजली के काम का क्या हो रहा है | अब ये दुखद स्थिति दर्शाती है कि लोकतंत्र पे प्रहार करने वाली पार्टी सिर्फ लोकतंत्र पे प्रहार नहीं करती है वो विकास पे भी प्रहार करती है | जब प्रधानमंत्री मोदी जी GST का बिल लाते हैं जिससे व्यापार करना आसन हो, नए रोज़गार के अवसर मिले, उद्योगीकरण बढ़े, जो इंस्पेक्टर राज से परेशान है जनता, वो कम हो उस में भी बाधा डालती है कांग्रेस, उसको भी पारित नहीं करने देती है राज्यसभा में |

जब सुप्रीम कोर्ट ने 204 कोयले के ब्लॉक्स के आवंटन को अवैध ठहराया और कहा कि ये सब कैंसिल किए जाएं, क्यूंकि इसमें भ्रष्टाचार हुआ है, ये इल्लीगल है, ये आरबिटरेरी है और कोयले के भ्रष्टाचारी कांड की तो जानकारी मैं समझता हूँ आप सभी को है, 1,86,000 करोड़ का कोइला घोटाला जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सब 204 कोयले की खदानों को रद्द किया और मैं समझता हूँ जनता ने भी इसके जबाब में कांग्रेस को मात्र 44 के अंक पे लाके छोड़ दिया | जब कोयले के कांड में 204 कोयले की खदानों का आवंटन को रद्द किया गया तो प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार ने एक नया कानून देश के समक्ष रखा जिसमें कोयले की खदानें सिर्फ और सिर्फ नीलामी से दी जा सकें और मैं कभी भी कोई भाजपा के कार्यकर्ता, कोई भाजपा के सांसद, कोई मेरे परिवार के लोगों को कोयले की खदानें निशुल्क मुफ्त में न दे पाऊँ और कोयले की खदानों से जो पैसा आएगा वो पैसा जनता की सेवा में, वो राजस्व जनता की सेवा में लगे उस प्रकार का जब हम कानून लाए तो देश की लगभग सभी पार्टियों ने उसका समर्थन किया सिर्फ तीन पार्टियों ने उसका विरोध किया, कौन सी थी वो तीन पार्टियाँ, सबसे प्रमुख तो कांग्रेस, कांग्रेस ने उसका समर्थन नहीं दिया, कांग्रेस ने उसको oppose किया, दूसरी DMK तमिलनाडू से, दोनों ने 2G Spectrum Scam में क्या किया 1,76,000 का 2G घोटाला आप सबको स्मरण होगा | DMK कैसे समर्थन कर सकती थी भ्रष्टाचार के विरोधी कामों को और तीसरी पार्टी थी कम्युनिस्ट जो भी विकास का काम होगा कम्युनिस्ट तो उसका विरोध करेगी, क्यूंकि कम्युनिस्ट चाहते नहीं हैं कि इस देश में विकास हो, इस देश में अच्छा काम हो, इन तीन पार्टियों को छोड़ दो तो देश में हर पार्टी ने ईमानदार कानून का समर्थन किया है | क्या आप इस प्रकार की पार्टी और इस प्रकार के पार्टी के नेता को चुनके आप उम्मीद कर सकते हैं कि रायबरेली में विकास होगा? क्या आप उम्मीद कर सकते हैं कि अमेठी में विकास होगा ? या भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि जिस प्रकार से चौबीसों घंटे मेहनत करते हैं, काम करते हैं जनता के बीच रहते हैं उस प्रकार के नेता रायबरेली और अमेठी में विकास करेंगे ये फैसला जनता को लेना है और भारतीय जनता पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता को ये बात जनता तक पहुंचानी है | मैं इसलिए इन बातों का जिकर कर रहा हूँ कि हमें कभी भूलना नहीं चाहिए किस प्रकार के वादे, आश्वासन कांग्रेस देती रही है लेकिन किस प्रकार से

भ्रष्टाचारी काम करती रही है | 1971 में दिया हुआ वादा गरीबी हटाने का उन्होंने 40 वर्ष में कभी गरीबी हटाने का कोई काम नहीं किया | ये तो प्रधानमंत्री मोदी जी हैं जो दिन और रात गाँव, गरीब, किसान, कामगार, युवा, महिला, शोषित, पीड़ित, इस वर्ग के लिए चिंता करते हैं, इस वर्ग के लिए योजनाएं लाते हैं और उन योजनाओं को कार्यान्वित करके जनता तक विकास की लहर पहुंचे, विकास का लाभ पहुंचे इसमें दिन और रात जुटे रहते हैं |

आज 26 June इसलिए भी हमें स्मरण करने की आवश्यकता है आपातकाल के दिन को क्यूंकि लोकतंत्र पे जो प्रहार था वो दर्शाता था कि ये पार्टी विकास या लोकतंत्र के बारे में कभी समर्पित नहीं रही है, ये पार्टी में तो लोकतंत्र है भी नहीं ये तो पारिवारिक पार्टी है | एक के बाद एक परिवार का सदस्य इस पार्टी का नेतृत्व करता है और आज आप देख रहे हैं पूरे देश में कैसे विरोध कर रहे हैं अलग-अलग कांग्रेस के नेता इस परिवारवाद को, आप देख रहे हैं कैसे कांग्रेस एक के बाद एक टूटती जा रही है पूरे देश में, मैं मुंबई से आता हूँ उनके एक दिग्गज नेता गुरुदास कामत ने एक पत्र लिखके, आपके यहाँ के सांसद को कहा कि अब मैं इस कांग्रेस पार्टी में नहीं रह सकता जहाँ हमारी बात भी नहीं सुनी जाती | अरुणाचल में कांग्रेस पार्टी टूट गई, उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी टूट गई, छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी जी ने कहा भाई हम इस पार्टी में अब रह ही नहीं सकते, ये पार्टी रहने लायक ही नहीं है, मैं समझता हूँ जो काम भारत की जनता ने, भारत के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को समर्थन करके, भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक विजय दे के जो कांग्रेस-मुक्त भारत का काम शुरू किया था वो अब आगे आने वाले दिनों में और तेज़ी पकड़ेगा और अब कांग्रेस-मुक्त के साथ-साथ भ्रष्टाचार-मुक्त भारत भी, ये दोनों भारत की जनता पा के रहेगी |

मैं समझता हूँ रायबरेली में हमारे भारतीय जनता पार्टी के सभी सेनानी कार्यकर्ता जिस प्रकार से डट के लड़ते हैं, जिस प्रकार से बाकी सब पार्टियाँ घुटने टेक देती हैं उम्मीदवार भी नहीं खड़ा करती हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी एकमात्र पार्टी है जो इस परिवार के खिलाफ लडती है, परिवार के खिलाफ चुनाव में खड़ी होती है और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे आने वाले दिनों में आप सबके सहयोग से, आप सबके समर्थन से, आप सबके आशीर्वाद से और आप सबके परिश्रम से भारतीय जनता पार्टी और मज़बूत होगी और इस रायबरेली और अमेठी को भी कांग्रेस और भ्रष्टाचार और परिवारवाद से मुक्ति दिलाएगी |

भारतीय जनता पार्टी ने दो वर्ष के शासन में जिस प्रकार से दिखाया कि हम विकास के प्रतिबद्ध है हम विकास को समर्पित हैं और हमने विकास में कभी राजनीति को नहीं आड़े आने दिया चाहे वो कोई पार्टी का राज्य शासन हो, उत्तर प्रदेश में चाहे समाजवादी पार्टी हो, कर्नाटक में चाहे कांग्रेस हो, हिमाचल, उत्तराखंड में कांग्रेस हो, ओडिशा में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल हो जब विकास का कार्य हुआ तो नरेन्द्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी ने कभी भेदभाव नहीं किया | जब दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना और Integrated Power Development Scheme से पूरे देश की विद्युत व्यवस्था को सुधार करने का काम हमने शुरू किया तो भाइयो और बहनों देश में सबसे अधिक पैसा, सबसे अधिक पैसा अगर किसी राज्य को मिला तो उत्तर प्रदेश को मिला, लगभग Rs 12,000 करोड़ सिर्फ उत्तर प्रदेश को मिला और उत्तर प्रदेश के हमारे भाइयों बहनों को बिजली पहुंचे, ऊर्जा पहुंचे, सभी घरों में बिजली पहुंचे, सब किसान को पर्याप्त मात्रा में बिजली मिले इस काम के लिए केंद्र सरकार ने सबसे अधिक पैसा उत्तर प्रदेश को दिया, बिना भेद भाव किए | अब ये अलग बात है कि उत्तर प्रदेश की सरकार पहले तो दो वर्ष सोती रही फिर जब उन्हें ध्यान आया कि अब नरेन्द्र मोदी आ गए हैं और रोज़ काम का ब्योरा लेंगे, रोज़ काम पे निगरानी होगी तो थोडा बहुत काम करना शुरू किया, काम भी शुरू किया तो ऐसी गति नहीं हैं जिस से हम पूरे प्रदेश में विकास पहुंचा पाएं, हर घर तक बिजली पहुंचा पाएं |

मेरी स्वयं की माता जी ने भी इमरजेंसी के दौरान सत्याग्रह करके जेल में गई थी, मुंबई में, मैं तो बहुत छोटा था तब, ग्यारह वर्ष का ही था पर मुझे अभी भी याद है वो एक गाँधी मार्किट करके एक प्रमुख मार्किट थी हमारे घर के नजदीक वहां पे सड़क पे महिलाओं ने बैठके धरना दिया था, पूरे शहर का ट्रैफिक रोक दिया था | लेकिन ये जो बलिदान, ये जो संघर्ष उस समय सभी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में अन्य पार्टियों ने भी किया था, वास्तव में देखें तो मैं हैरान हूँ लोहिया जी के समर्थन वाली पार्टियाँ चाहे वो समाजवादी पार्टी हो आपके उत्तर प्रदेश में, चाहे बिहार के नितीश कुमार की पार्टी हो, लालू प्रसाद यादव की पार्टी हो ये सब अपने आपको लोहिया जी के समर्थक मानती हैं, बोलती हैं, लेकिन आज जाके कांग्रेस की गोद में बैठ गई हैं ये पार्टियाँ, कितनी दुर्भाग्य की बात है पता नहीं लोहिया जी को कितनी पीड़ा होती होगी ये देखके किये पार्टियाँ जिन्होंने आपातकाल के खिलाफ लोहिया जी की मूलभावना के साथ लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में जो आपातकाल के खिलाफ जो संघर्ष करने वाले लोग थे वो आज उसी कांग्रेस की गोद में जाके बैठ गए हैं जिसने आपातकाल लगाई थी, जिसने भारत के लोकतंत्र पे एक प्रकार से सबसे बड़ा खतरा पैदा किया था |

आपको याद होगा कि उस ज़माने में तो किशोर कुमार के गाने तक आल इंडिया रेडियो पे नहीं सुनाए जाते थे क्यूंकि उन्होंने कांग्रेस का विरोध किया, ऐसी पार्टी जो एक कलाकार को भी अपनी बात नहीं रखने दे, ऐसी पार्टी क्या जनता की सेवा करेगी, क्या गरीबी हटाएगी और क्या लोकतंत्र का प्रचार करेगी, क्या लोकतंत्र को संभालेगी | मैं समझता हूँ ये जो बलिदान हमारे सभी नेताओं ने किया था और उस समय आपको याद है अटल बिहारी वाजपेयी जी, लालकृष्ण अडवानी जी, नाना जी देशमुख, सभी बड़े-बड़े नेताओं को जेल के पीछे डाला गया, जेल में उनको लगभग 18-19 महीने रहना पड़ा, कठोर परिश्रम किया सभी कार्यकर्ताओं ने, सभी नेताओं ने और उस कठोर परिश्रम का परिणाम था कि देश को पुनःएक बार 1977 में आज़ादी मिली, पुनः एक बार लोकतंत्र स्थापित हुआ और मैं समझता हूँ ये हम सबकी ज़िम्मेदारी है कि हम इस लोकतंत्र का सम्मान करें, इस लोकतंत्र पे कभी भी किसी प्रकार की आंच ना आने दें और ये लड़ाई सिर्फ लोकतंत्र को बचाने की नहीं है ये लड़ाई इस देश में विकास लाने की है, ये लड़ाई इस देश में सुशासन लाने की है, ये लड़ाई भ्रष्टाचार को खत्म करने की है, ये लड़ाई हमारे युवा भाइयों बहनों को रोज़गार मिले, नया अच्छा जीवन मिले, नए कौशल विकास हो, अच्छी शिक्षा मिले, बुजुर्गों को अच्छी स्वास्थ सेवाएं मिले ये लड़ाई हम सब को लड़नी है |

इस लड़ाई के लिए मैं समझता हूँ रायबरेली की जनता और रायबरेली का एक-एक कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी का इस लड़ाई के लिए तैयार हो जाए | आगे आने वाले दिनों में विधान सभा का चुनाव आएगा, विधान सभा का चुनाव एक कसौटी होगी जिसमें उत्तर प्रदेश के भ्रष्टाचारी शासन को निकालने का मौका मिलेगा लेकिन हम सबको इस संघर्ष में दिन और रात एक करके विकास के प्रति समर्पित नेतृत्व को जिताना है, मैं समझता हूँ उत्तर प्रदेश मे ढोंगी नारों से कुछ काम नहीं होने वाला है, उत्तर प्रदेश का विकास सिर्फ नारे लगाने वाली पार्टी या जो पार्टी सांप्रदायिक दंगों में विश्वास रखती हो वो पार्टी नहीं कर पाएगी | अगर उत्तर प्रदेश का विकास करना है तो हमें भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार लाके उत्तर प्रदेश का भविष्य को उज्जवल बनाना है, उत्तर प्रदेश को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलानी और ये समझ लिया जाए कि भारतीय जनता पार्टी को रोकने के लिए सभी पार्टियाँ एक हो सकती हैं, सभी पार्टियाँ भारतीय जनता पार्टी और नरेन्द्र मोदी को उत्तर प्रदेश में शासन लाने से रोकने की कोशिश कर सकती हैं | फिर वो भूल जाएंगे कि किस पार्टी ने आपातकाल लाया है, कौन सी पार्टी भ्रष्ट है, कौन सी पार्टी समाज को भिखेरने में लगी हुई है वो सब एक हो जाएंगे और उस समय भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता लड़ाई में पूरा जोर लगाएगा और भारतीय जनता पार्टी की

एक पूर्ण बहुमत की सरकार लाएगा ये मेरा विश्वास है और इस विश्वास के साथ आज मैं आप से विदा लेता हूँ, आप सबको बहुत बहुत शुभकामनाएं, सभी स्वतंत्रता के सेनानियों को मैं नमन करता हूँ, उनको धन्यवाद देता हूँ कि आज उनके जो संघर्ष थे उसके कारण आज मैं भी आ के यहाँ आप सबके समक्ष अपना वक्तव्य दे पाया | मैं आप सबको शुभकामनाएं देता हूँ आपकी लम्बी आयु के लिए भगवन से प्रार्थना करता हूँ और रायबरेली और उन्चाहार के हमारे सभी नागरिक भाइयों और बहनों को पुनःएक बार बधाई देता हूँ कि आपने जो लड़ाई लड़ी है इतने वर्षों तक रायबरेली उन्चाहार सब इलाकों में भारतीय जनता पार्टी का झंडा बुलंद रखा है अब और मौका आएगा जिस मौके को व्यर्थ न होने दें और इस मौके मे एक अच्छे शासन उत्तर प्रदेश में पुनःस्थापित हो जिस प्रकार से एक ज़माने में कल्याण सिंह ने अच्छा शासन उत्तर प्रदेश को दिया था, राजनाथ सिंह जी ने अच्छा शासन उत्तर प्रदेश को दिया था | पुनःएक बार भारतीय जनता पार्टी का शासन आए और एक अच्छी सरकार सुशासन देने वाली सरकार ईमानदार सरकार उत्तर प्रदेश को मिले यही मेरी समझ में यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी उन सभी के लिए जिन्होंने अपना जीवन बलिदान दिया आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में और यही सच्ची भेंट होगी हमारे सभी स्वतंत्रता सेनानियों को जो हम सब दे सकते हैं |

आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद आप यहाँ पे आए |